अगले वर्ष ब्याज दरें घटने के आसार

जीवन बीमा उद्योग में तेज विकास के लिए प्रयासरत केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को सार्वजनिक क्षेत्र के दो अग्रणी बैंकों, केनरा बैंक और ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) तथा वैश्विक बैंक एचएसबीसी ने संयुक्त रूप से प्रमोट किया है. कंपनी मुख्यतः अपने प्रमोटर बैंकों की देश में विस्तारित 5500 से अधिक शाखाओं के जरिए लोगों को जीवन बीमा उत्पाद प्रदान कर रही है. कंपनी की विकास रणनीति व प्रदर्शन तथा बाजारों के भावी परिदृश्य के संबंध में केनरा एचएसबीसी ओबीसी लाइफ की मुख्य निवेश अधिकारी **श्रीमती रितु गंगराडे अरोड़ा** से 'नवभारत' के वाणिज्य संपादक **विष्णु भारद्वाज** की विस्तृत चर्चा हुई. पेश हैं उसके मुख्य अंश-

Canara HSBC Oriental Life Insurance

आपके मुताबिक इक्विटी और डेब्ट में बाजार का क्या परिदृश्य है?

इस वर्ष इकोनॉमिक परिवेश काफी चुनौतीपूर्ण रहा. संगठनात्मक मामलों के समाधान और निवेश चक्र की दोबारा शुरूआत होने तक जीडीपी ग्रोथ में कुछ और समय के लिए नरमी रहने की संभावना है. बहरहाल, हमें बाजार में तरलता में वृद्धि देखने को मिली है. विदेशी निवेश प्रवाह में मजबूती बाजार को संचालित कर रही है. बाजार मूल्यांकन एक वर्ष आगे 15 गुना पर है. यह कमजोर विकास दर को देखते हुए सस्ता नहीं है, लेकिन तरलता समर्थन उपलब्ध कराती है. अगले साल चुनाव और फेड टेपरिंग जैसे मुद्दे भी प्रमुख रहेंगे. इसलिए अर्निंग ग्रोथ एवं उचित मूल्यांकन के अभाव तथा अनिश्चित विदेशी निवेश प्रवाह के कारण इक्विटी बाजार रेंज बाउंड एवं अस्थिर रहने की संभावना है.

दीर्घकालिक ब्याज दरों में वृद्धि हुई है और मुद्रास्फीति के उच्च स्तर के कारण रिजर्व बैंक की चिंता को देखते हुए यह रुख आगे भी जारी रहेगा. बहरहाल, मध्यम अवधि के परिदृश्य में वर्तमान बांड प्रतिफल स्तर आकर्षक है. हमारा मानना है कि ब्याज दरें लगभग चरम पर हैं और अगले कुछ महीनों में इनमें गिरावट आएगी. इससे प्रतिफल घटेगा और डेब्ट पोर्टफोलियो के लिए बाजार लाभदायी होगा.

बीमाधारकों को उनके निवेश पर बेहतर स्टिर्न के लिए कंपनी क्या रणनीति अपना रही है?

बीमा एक दीर्घकालिक उत्पाद है और किसी भी बीमा कंपनी का प्रयास निश्चित अवधि के दौरान निरंतर बाजार बेंचमार्क्ड रिटर्न प्रदान करना होता है. हमने उच्च गुणवत्ता के संतुलित पोर्टफोलियो में निवेश करने की रणनीति अपना रखी है. हम उचित तरलता के साथ उच्च साख गुणवत्ता वाली डेब्ट प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं. हमारा इक्विटी एक्सपोजर मुख्यतः लार्जकैप ब्लूचिप कंपनियों में है. मिडकैप कंपनियों में निवेश मामूली है. लंबी अवधि में उचित एवं अनुकूल रिटर्न उपलब्ध कराने के लिए हम उच्च ग्रोथ कंपनियों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं.

बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

हमारे सभी फंडों ने पिछले 5 वर्षों में (आरंभ से) अपने संबंधित बेंचमार्क की तुलना में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है. खासकर 31 अक्टूबर 2013 तक, हमारे इक्विटी फंड ने अपने बेंचमार्क निफ्टी से 4 प्रतिशत ज्यादा 38 प्रतिशत का रिटर्न दिया है. इसी तरह डेब्ट फंड ने अपने बेंचमार्क (क्रिसिल कंपोजिट बांड फंड इंडेक्स) से 10 प्र.श. ज्यादा 44 प्र.श. का रिटर्न दिया.

भारत में 23 से अधिक जीवन बीमा कंपनियां कार्यरत हैं. कड़ी प्रतिस्पर्द्धा से निपटने कंपनी की क्या योजना है?

हम अपने सभी उत्पाद पेशकश के जरिए ग्राहकों को श्रेष्ठ मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. हमारे पास यूनिट लिंक्ड और पारंपरिक पेशकश में उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला है. हम ग्राहकों को सिर्फ उन्हीं उत्पादों एवं योजनाओं को लेने के लिए प्रेरित करते हैं, जो उनकी जरूरतों एवं जोखिम क्षमता के अनुरूप हों.